लखनऊ
सोमवार, 26 जून 2023
वर्षः-07 अंकः-48
पृष्ठः-8 मूल्यः- 2 रुपये
RNI- UPHIN/2016/74800

हिन्दी साप्ताहिक

नई सोच, नया जुनून.....

करण वाणी

अगर खुद से नहीं हारे तो आपकी जीत निश्चित है।।

एक बढ़ता हुआ दर्द जो गीत बन गया.....

सखी सईया तो खूब ही कमात है, महंगाई डायन खाये जात है?

महंगाई को देखते हुए हर तरफ हाहाकार मचा हुआ है। अब लोग आवश्यक कार्यों में ही अपना पैसा खर्च करना चाह रहे हैं। फिल्म पीपली लाइव का गाना ऐसे हालत में रसोई में काम करने वाली महिलाओं की जुबान पर सहसा आ जाते हैं 'सखी सैंया तो खूब ही कमात है महंगाई डायन खाए जात है।' अभी हर तरफ महंगाई की चर्चा के बीच यदि रसोई का आकलन करें तो समझ में आता है कि हर घर का बजट बिगड़ गया है।

पंकज सिंह चौहान

लखनऊ, करण वाणी। फिल्म पीपली लाइव का यह गीत काफी लोकप्रिय हुआ था। इस गीत के माध्यम से एक प्रमुख सामाजिक-आर्थिक समस्या 'महंगाई' की ओर ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया गया है।

अगर हम यह कहें कि देश में महंगाई और रोजगार जैसे मुद्दों पर जनता में लामबंदी बहुत कम देखी जाती है, लोग सड़कों पर नहीं उतरते तो मान लीजिए कि यह सरकारों का सौभाग्य है। असल में यही देश का दुर्भाग्य भी है।

सरकारें एक-दूसरे को कोसती रह जाती हैं। कोई कहता है पुराने दिन ही भले थे, कोई अच्छे दिन की ढांढस बंधाता रह जाता है। लेकिन समस्या जत की तस मुंह बाए खड़ी है।

इससे महंगाई के दौर में सत्ताधीशों को मौका मिल जाता है और उन पर कोई दबाव नहीं बन पाता। जिन आंखों में भविष्य के सुनहरे सपने रहने चाहिए, उनमें हताशा और निराशा देखने को मिलती है। बेरहम भूख, लोगों की जरूरतों के मद्दे नजर होने वाले कोशिशों को दो जून की रोटी तक समेट देती है। फिल्म 'पिपली लाइव' का यह गीत देश के ऐसे ही कमजोर लोगों के मन में उभरते हुए दर्द की अभिव्यक्ति है।

लखनऊ की तुलसी गुप्ता बताती हैं कि उनके घर में मात्र तीन जन हैं। छोटा परिवार रहने के बावजूद लगातार बढ़ती महंगाई लोगों को परेशान करने लगी है। कुछ चीजों व कार्यों में कटौती कर पैसे बचाने का प्रयास भी कर रहे हैं। रसोई की सामग्री खरीदना सभी के लिएजरूरी है। वर्तमान समय में रसोई की सामग्री के दाम भी इस कदर बढ़ गए हैं कि लोग उसकी खरीदारी में मात्रा की कटौती करने लगे हैं। एक वर्ष पूर्व रसोई गैस का सिलेंडर 745 रुपये में मिलता था। अब एक हजार-11 सौ में मिल रहा है। वह बताती हैं कि 30 से 40 रुपयेकिलो तक आटा बाजार में मिल रहा है और गेहूं 20 से 22 रुपये किलो है। जब 15 रुपये गेहूं था, तो 20 रुपये किलो आटा मिलता था। बीते दो साल में आटा का भाव दोगुना हो गया है।

सरसों का तेल 95 रुपये लीटर मिलता था। आज 160 रुपये या इससे भी अधिक भाव में मिलता है। दो साल में दो गुना से अधिकमसाला का भाव हो गया है। 2019-20 में जो गोलकी काली मिर्च 450 रुपये किलो मिलता था वह भी 900 रुपये किलो मिल रहा है। 70 का हल्दी अब 140 से 150 रुपये मिल रहा है। आलू और प्याज के भाव में भी उतार-चढाव जारी है। ऐसे में स्वाभाविक है कि रसोईका बजट गड़बड़ाया हुआ है। इधर कोरोना संक्रमण ने आम लोगों की मानसिकता बदली है और फिजूलखर्ची पर हर परिवार नियंत्रण का प्रयास करता है। अब रसोई से मसाले की गुम हो गई है सुगंध पूर्व में जब मसाला के दाम कम थे, तो लगभग सभी घरों में सब्जी बनने के दौरान मसाला की सुगंध आती थी। तब लोग इससे भी अंदाजा लगाते थे कि सब्जी कितनी अच्छी बन रही है। लेकिन अब अधिकांशघरों से ऐसी सुगंध किसी खास अवसर पर ही निकल रही होती है। वर्तमान में थोक मूल्य धनिया का 180 रुपये प्रति किलो, मरीच 900 रुपये प्रति किलो, हल्दी 100 रुपये प्रति किलो, अजवाइन 165 रुपये, मंगरेल 200 रुपये प्रति किलो सहित अन्य मसाला की सामग्रीके दाम भी इसके समान है।

50 रुपये किलो बिक रहा है दूध नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में दो रेट का दूध बिक रहा है। जो गाय और भैंस का दूध है उसमें भी दो तरह का रेट चल रहा है। सभी तरह के दूध लगभग 50 रुपये प्रति लीटर की दर से मिल रहा है। अधिक कीमत होने के कारण लोग कम दूध में ही काम चला रहे हैं।

सब्जियों व दाल के दाम में वृद्धि से पौष्टिक आहार में कमी स्वस्थ रहने के लिए चिकित्सकों की सलाह होती है कि हरी सब्जियां, दाल का अधिक से अधिक मात्रा में सेवन करें।

महंगाई की मार से सभी घरों में पौष्टिक आहार में कमी आ गई है। दाल में अरहर 140 से 160, चना 90, मसूर 110 रुपये प्रति किलो की दर से बिक रहे हैं। हालांकि कोई ऐसी हरी सब्जी नहीं है जो सस्ती हो। सभी सब्जी के दाम अधिक होने के कारण लोग दो दिन पर सब्जी की खरीदारी कर रहे हैं।

दूल्हा-दुल्हन, जीजा, दोस्त, युवक ने फरसे से 5 लोगों को काट डाला, फिर खुद को भी मारी गोली

करण वाणी, न्यूज

प्रदेश के मैनपुरी जिले से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। घर के ही एक सदस्य ने नवविवाहित भाई, उसकी दुल्हन समेत पांच रिश्तेदारों को फरसे से काट डाला। इस घटना को तब अंजाम दिया गया जब सभी लोग सो रहे थे। इतना ही नहीं युवक ने सबकी जान लेने के बाद खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

घटना की सूचना मिलते ही विनोद कुमार, आईजी के साथ कई बड़े अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। पुलिस अभी हत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

यह घटना थाना क्षेत्र के गोकुलपुरा अरसारा का बताया जा रहा है। गांव निवासी सुभाष के तीन बेटे शिववीर, सोनू और भुल्लन थे। बड़ा बेटा शिववीर नोएडा में एक निजी कंपनी में काम करता था और अपने सगे भाई सोनू की शादी में शामिल होने के लिए घर आया था। शुक्रवार को सोनू की बारात इटावा के थाना चौबिया क्षेत्र के गांव गंगापुर से लौटकर आई थी। घर में बहू सोनी के आने से खुशियों का माहौल था। सारे रिश्तेदार भी घर में थे।

घटना को देर रात अंजाम दिया गया

बताया जा रहा है इस घटना को रात दो बजे अंजाम दिया गया था जब सभी गहरी नींद में सो सो गए तो शिववीर ने आंगन में लेटे भाई भुल्लन, बहनोई सौरभ, भाई के दोस्त दीपक और छत पर सो रहे सोनू और नवनिवाहिता सोनी को फरसे से काटकर उनकी हत्या कर दी। वहीं, आरोपी के हमले से उसकी पत्नी डोली और मामी गंभीर रूप से घायल हो गए। चीख पुकार मचने पर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। लोगों ने शिववीर को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह घर के पीछे गया और खुद के सिर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू

घटना की जानकारी पुलिस को मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची और मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम जिला अस्पताल मैनपुरी के मॉर्चरी में भेजा गया। घटनास्थल पर स्थानीय पुलिस बल, प्रभारी निरीक्षक किशनी, फील्ड यूनिट, सर्विलांस टीम और डॉग स्क्वायड टीम मौजूद हैं। घटनाथल पर सिटी सीओ करहल और एसपी भी पहुंचे।

मामले में पुसिल द्वारा कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मैनपुरी के एसपी विनोद कुमार ने बताया कि पूरा मामला थाना किशनी के असरारा

गोकुलपुर गांव का है। शिववीर यादव ने घटनाक्रम को अंजाम दिया।

एसपी के अनुसार शुक्रवार को उसके भाई सोनू की शादी के बाद बारात घर लौटी थी। शनिवार तड़के करीब 4 से 5 बजे के बीच शिववीर ने अपने भाई भुल्लन यादव, सोनू यादव और उनकी पत्नी की धारधार हथियार से काटकर हत्या कर दी। इसके अलावा बहनोई और अपने दोस्त को भी मौत के घाट उतर दिया। पत्नी और पिता पर भी हमला किया।

लौटेगा ब्रज का प्राचीन वैभव

मथुरा को दिव्य और भव्य बनाने के लिए योगी ने दी 208 करोड़ की सौगात

▶▶ परियोजनाओं का किया लोकार्पण-शिलान्यास

▶▶ ब्रजवासियों को करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं का तोहफा

▶▶ पीएम आवास योजना के लाभार्थियों को चाबी भेंट की

▶▶ ब्रज तीर्थ विकास परिषद के कार्यालय का उद्घाटन किया

करण वाणी, न्यूज

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को ब्रजवासियों को करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं का तोहफा दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मथुरा जिले की करीब 121 करोड़ रुपये की 41 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं 86 करोड़ रुपये की 39 परियोजनाओं का शिलान्यास बटन दबाकर किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सबसे पहले पीएम आवास योजना के लाभार्थियों को पीएम आवास की सांकेतिक चाबी भेंट की। इसके बाद कन्या सुमंगला योजना के लाभार्थी और 100 आदर्श आंगनवाड़ी केंद्रों को किटों का वितरण किया। सीएम योगी ने मेधावी छात्र-छात्राओं को टेबलेट और स्मार्टफोन भी वितरित किए।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने राधे-राधे कहकर जनसभा को संबोधित किया। योगी ने कहा कि आज हम पीएम मोदी के 9 वर्ष के यशस्वी कार्यकाल की उपलब्धियों को लेकर आयोजित आज की जनसभा में हम सब एकत्रित हुए हैं। उन्होंने कहा कि 9 साल बेमिसाल और भारत हुआ खुशहाल। सचमुच ये 9 वर्ष स्वतंत्र भारत के इतिहास में उपलब्धियों से भरा पड़ा है।

यसेगी ने कहा, ये उपलब्धियां हमें हर दिन प्रसंगों के माध्यम से, प्रकरणों के माध्यम से हम सबको देखने को मिलता है। आपने देखा होगा, जब अमेरिकी सीनेट को पीएम मोदी संबोधित कर रहे थे। अमेरिका दुनिया की महाशक्ति के रूप में जाना जाता है। वहां पर पीएम मोदी के स्वागत के लिए अमेरिकी सीनेट उतावली दिखाई दे रही थी। अमेरिका के अंदर जो उत्साह था। दुनिया का कोई ऐसा शख्स नही होगा आर्थिक जगत का भी जो पीएम मोदी से मिलने के लिए उतावला न दिखाई दिया हो।

सीएम योगी ने कहा कि 21 जून को विश्व योग दिवस के अवसर पर दुनिया के 180 देशों में योग के साथ दुनिया की बड़ी शख्सियतों ने योग से जुड़ा दिखाई दिया। दुनिया आज योग के साथ जुड़कर भारत की आध्यात्मिक और ऋषि परंपरा के कृतज्ञता ज्ञापित कर रहा है। ऋषि परंपरा के लिए दुनिया झुक करके कार्य करेगी, यह भी श्रेय अगर किसी को जाता है, वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है, क्योंकि मोदी जी ने स्वयं संयुक्त राष्ट्र संघ में जाकर योग के कार्यक्रम के साथ जुड़े थे।

मुख्यमंत्री योगी ने लोगों से संवाद करते हुए कहा कि कोई सोचता था कि काशी में काशी विश्वनाथ धाम बनकर तैयार हो जाएगा, लेकिन आज काशी में विश्वनाथ धाम, अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा है।

उनहोंने कहा, विरासत के प्रति सम्मान का भाव क्या होता है, ये प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नए भारत ने देखा है। ये भारत और श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को भी साकार करता है। ये तीर्थ और धाम है, जो हमारी पहचान है। यही हमारा इतिहास है, यही हमारा गौरव है और यही हमारी विरासत भी है। इसी ने हमें पहचान दी है। यही हमारी पहचान है। सीएम योगी ने कहा कि भगवान कृष्ण आज से 5 हजार वर्ष पहले साक्षात इस धरा पर अवतरित हुए थे। उन्होंने जो संदेश मानव कल्याण के लिए उस समय दिया था। धर्म की स्थापना के लिए न्याय और सत्य की स्थापना के लिए, जो मार्गदर्शन दिया था। वो आज भी सत्य है और शाश्वत है। प्रासंगिकता हर काल हर परिस्थिति में सदैव बनी हुई है। उसी दृष्टि से जब हम यहां पर आते हैं तो हम गौरव की अनुभूति करते हैं। एक नए अध्यात्म की अनुभूति होती है, नई ऊर्जा मिलती है।

जनसभा को संबोधित करने के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के नए ऑफिस पहुंचे। उनके साथ सांसद हेमा मालिनी भी थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फीता काटकर ब्रज तीर्थ विकास परिषद के कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर हेमा मालिनी ने योगी आदित्यनाथ को संबोधित करते हुए कहा, आज आपके सपने साकार हो रहे हैं।

DNM GROUP OF INSTITUTIONS
LUCKNOW
पॉलिटेक्निक
डी. फार्मा
बी.ए.
बी.एस.सी
Admission Open
7880341111
www.dnmiet.ac.in
एन.एच.25-ए,कटी बगिया (साई मंदिर के पास), बंथरा, कानपुर रोड, लखनऊ

अवध प्रेस क्लब लखनऊ का हुआ गठन, अरविंद सिंह अध्यक्ष व आशीष सिंह बने वरिष्ठ उपाध्यक्ष

पत्रकारों ने वृहद स्तर पर पत्रकारों को संगठित करने और उनकी समस्याओं पर चर्चा की, साथ ही संगठन के विस्तार में क्षेत्र के सक्रिय पत्रकारों को इस मंच से जुड़ने का आवाहन भी किया गया।

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। बंथरा के माँ अन्नपूर्णा होटल में पत्रकारों की एक बैठक आहूत की गयी जिसमें पत्रकारों द्वारा विचार विमर्श करने के बादअवध प्रेस क्लब लखनऊ का गठन किया गयाा। जिसमें सभी पत्रकारों ने सर्वसम्मति से अरविंद सिंह चौहान को अध्यक्ष व आशीषकुमार सिंह को वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुना गया।

अध्यक्ष अरविंद सिंह चौहान व वरिष्ठ उपाध्यक्ष आशीष कुमार सिंह ने कहा कि अवध प्रेस क्लब लखनऊ का उद्देश्य सभी पत्रकारों कोएक मंच पर इकट्ठा करना है।

बैठक में क्षेत्र से पहुंचे पत्रकारों ने वृहद स्तर पर पत्रकारों को संगठित करने और उनकी समस्याओं पर चर्चा की। साथ ही संगठन केविस्तार में क्षेत्र के सक्रिय पत्रकारों को इस मंच से जुड़ने का आवाहन भी किया गया। नवगठित प्रेस क्लब के सभी पदाधिकारियों ने इसमंत्र से कहा कि संगठन के विस्तारीकरण का क्रम निरंतर चलता रहेगा।

अवध प्रेस क्लब लखनऊ में गुलाब सिंह (उपाध्यक्ष) मोनू सिंह चौहान (महामंत्री) बलराम सिंह (उपाध्यक्ष)

पंकज सिंह चौहान (कोषाध्यक्ष) आनंद सिंह जी (उपाध्यक्ष) अजीत सिंह (उपाध्यक्ष) पंकज प्रजापति (मंत्री) शशिकांत तिवारी (संगठन मंत्री) नितिन पटेल(सहायक संगठन मंत्री) कृष्ण कुमार सिंह (सचिव) ऋषि राज गुप्ता (प्रचार मंत्री) व अभिलाष मिश्रा को (मीडिया प्रभारी) की ज़िम्मेदारीमिली।

एन.ई रेलवे मजदूर यूनियन आउटडोर शाखा-1 की बैठक आयोजित

लखनऊ (करण वाणी, न्यूज)। एन. ई० रेलवे मजदूर यूनियन आउटडोर शाखा-1 की बैठक शाखा कार्यालय, ऐशबाग में सम्पन्न हुई जिसमें सभा में एनीईरेलवे मजदूर यूनियन मंडलमंत्री आर. एन. गर्ग मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल हुए एवं सभा की अध्यक्षता, मण्डल उपाध्यक्ष संदीपकुमार ने की तथा बैठक का संचालन शाखा मंत्री ए. के. रावत ने कि बैठक में नव निर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत एवं सम्मान कियागया।

बैठक में शाखा अध्यक्षझ्झ कामरेड संजीव कुमार श्रीवास्तव, कार्यकारी अध्यक्षझ्झवेदपाल, उपाध्यक्षझ्झधीरेन्द्र सिंह, सर्वेश कुमार शुक्लश्रीमती वन्दना कुमारी, शाखा मंत्रीझ्झएझ्झके. रावत , संयुक्त शाखा मन्त्री रवि गुप्ता, मनीष कुमार मिश्रा, शिवजन्म विश्वकर्मा, संगठन मंत्रीझ्झजय प्रकाश, राजेश शर्मा, मुकेश चन्द्र मीना, सहायक शाखा मंत्री झ्झ प्रवीण कुमार शर्मा, धर्मेन्द्र पाल व कोषाध्यक्षझ्झ आर.सी मौर्य निर्वाचित किये गये, सभा को विभिन्न वक्ताओं ने सम्बोधित किया। साथ ही अपने विभाग की समस्याओं से अवगत कराया एवं डढर की बहाली के लिए 27.06.2023 को लखनऊ में होने वाली हुंकार रैली को सफल बनाने का आश्वासन दिया। सभा में उपरोक्तपदाधिकारियों के अतिरिक्त राम औतार, पप्पूराम मीना, अरुण पटेल, अरविन्द कुमार, हर्ष शुक्ला आदि सदस्य उपस्थित हुए।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो दोस्तों की मौत

उन्नाव (करण वाणी, न्यूज)। रायबरेली राजमार्ग पर अचलगंज थानाक्षेत्र के कोरारीकला मोड़ के पास ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो दोस्तों की मौत हो गई, जबकि तीसरा घायल हो गया। घायल को जिला अस्पताल से कानपुर रेफर किया गया है। बाइक सवार हेलमेट नहीं लगाए थे। सदर कोतवाली क्षेत्र के शेखपुर शांतिनगर मोहल्ला निवासी पप्पू जायसवाल (38) रायबरेली के सरेनी क्षेत्र के मलखे गांव में देशी शराब ठेके में सेल्समैन था।

शनिवार देर रात दोस्त रायबरेली के सरेनी के बेथूपुर गांव निवासी दोस्त गुड्डू (27) और मलखे गांव निवासी संदीप (26) के साथ बाइक से घर के लिए निकला। रात करीब 11 बजे अचलगंज के कोरारीमोड़ के पास ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। इसमें पप्पू की मौके पर मौत हो गई, जबकि गुड्डू व संदीप घायल हो गए। घायलों को पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान गुड्डू की भी मौत हो गई। संदीप को कानपुर रेफर किया गया है।

एसओ प्रशांत द्विवेदी ने बताया कि टक्कर मारने वाले ट्रक का पता लगाया जा रहा है। पप्पू की मौत पर पिता बुद्धीलाल जायसवाल बिलख पड़े। मां रामरती, पत्नी सरोजनी देवी के साथ बेटा राज और बेटी चांदनी का रोकर बुरा हाल हो गया। वहीं, गुड्डू की मौत पर बहन मोनिका व पत्नी रेनू समेत अन्य परिजन बेहाल हो गए। गुड्डू दो भाइयों में बड़ा था। मजदूरी कर वह परिवार का पालन पोषण करता था।

डॉ राजेश्वर सिंह ने सीको कॉलेज ऑफ फामेर्सी को दिए 5 कंप्यूटर

डॉ राजेश्वर सिंह ने डिजिटल शिक्षा को दिया नया आयाम, 16 कॉलेजों में प्रदान किये 155 कंप्यूटर, हजारों युवा लाभांवित

पूरा हो रहा डॉ राजेश्वर सिंह का युवाओं को डिजिटल साक्षर बनाने का संकल्प

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। जिस व्यक्ति का मन, वचन और कर्म एक जैसा हो, उसका व्यक्तित्व श्रेष्ठ व उत्कृष्ट माना जाता है। ऐसा ही व्यक्तित्व हैसरोजनीनगर विधायक डॉ राजेश्वर सिंह का। चाहे बच्चों को गुणवत्तापरक शिक्षा व खेलकूद के साधन उपलब्ध कराने हो, महिलाओं कोस्वावलंबीझ्झआत्मनिर्भर बनाना हो या वृद्धजनों को तीर्थयात्रा करवाना हो, डॉ राजेश्वर सिंह ने जो कहा वो किया।

इसी प्रकार अपनी कथनी को पूरा करते हुए डॉ राजेश्वर सिंह ने अपना एक और वादा पूरा किया। उनके द्वारा हरौनी स्थित सीकोकॉलेज ऑफ फामेर्सी में 5 कंप्यूटर्स प्रदान किये गए। उनका प्रयास युवाओं को डिजिटल शिक्षा प्रदान कर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आनेवाली प्रतियोगिताओं तथा भविष्य में आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार करना है।

16 जून को डॉ राजेश्वर सिंह सीको कॉलेज में आयोजित ह्लैपटॉप वितरण कार्यक्रमह्ल में मुख्य अतिथि के रुप में पहुंचे थे। यहांकॉलेज द्वारा डॉ

राजेश्वर सिंह से कंप्यूटर्स की मांग की गई थी, जिसे उन्होंने मानते हुए जल्द से जल्द कंप्यूटर दिलाने का वादा कियाथा। अब उन्होंने अपने वादे को पूरा करते हुए कॉलेज को 5 कंप्यूटर प्रदान किये। उनका उद्देश युवाओं खासकर बेटियों को डिजिटलसाक्षर बनाना है।

यह कोई पहला मौका नहीं है जब सरोजनीनगर विधायक ने किसी शिक्षण संस्थान को कंप्यूटर्स प्रदान किये हैं। उनके द्वारा लगातारविधानसभा क्षेत्र के शिक्षण संस्थानों में डिजिटल लैब की स्थापना करवाई जा रही है। विधायक ने पूर्व में व्यक्तिगत स्तर और सीएसआरके माध्यम से 15 विद्यालयों को 150 कंप्यूटर प्रदान कर डिजिटल लैब स्थापित की है जिससे लगभग 15,000 बेटियों सहित 20,000 शिक्षार्थियों से अधिक को आधुनिक व रोजगारपरक कंप्यूटर शिक्षा मिल रही है।

डॉ राजेश्वर सिंह का कहना है कि युवाओं को डिजिटल शिक्षा प्रदान कर उनका सर्वांगीण विकास करना हमारा दायित्व है। आने वालासमय में डिजिटली साक्षर और डिजिटली निराक्षर के बीच प्रतियोगिता होंगी, पेपरलेस ऑफिस होंगे, स्टोरेज आईझ्क्लाउड पर होगा।युवाओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा निःशुल्क 02 करोड़ टैबलेट व स्मार्टफोन भी वितरित किये जा रहे हैं।आने वाला समय डिजिटल शिक्षा का है इसलिए युवाओं के लिए डिजिटल साक्षरता सबसे महत्वपूर्ण है।

एलडीए में सिंगल टेबल क्लीयरेंस डे का आयोजन, 262 फाइलों का हुआ निस्तारण

▶▶ लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी के निर्देश पर लंबित फाइलों के साथ मसऊद हॉल में एकत्रित हुए सभी अनुभागों के अधिकारी व कर्मचारी

▶▶ दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक चली कार्रवाई, एक ही पटल पर समस्त अनुभागों के अधिकारियों की उपस्थिति से हाथों-हाथ निस्तारित हुई फाइलें

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी के निर्देश पर शनिवार को प्राधिकरण में ह्यसिंगल टेबल क्लीयरेंस डेह्ल का आयोजन किया गया। इस दौरान समस्त अनुभागों के अधिकारी व कर्मचारी लंबित फाइलों के साथ मसऊद हॉल में उपस्थित हुए। उपाध्यक्ष की निगरानी में दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक चली कार्रवाई के दौरान 262 फाइलों का निस्तारण किया गया।

सचिव पवन कुमार गंगवार ने बताया कि पूर्व में उपाध्यक्ष द्वारा विभिन्न अनुभागों का औचक निरीक्षण किया गया था, जिसमें कई पटलों पर फाइलें लंबित पायी गयी थीं। इसके अतिरिक्त जन सम्पर्क के दौरान प्रायः कुछ लोगों द्वारा शिकायत की जा रही थी कि उनके कार्य में अनावश्यक रूप से विलम्ब हो रहा है, जिसके कारण उन्हें बार-बार प्राधिकरण के चक्कर लगाने पड़ते हैं। इस समस्या का समाधान करने के लिए उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी ने सप्ताह के प्रत्येक शनिवार को प्राधिकरण में ह्यसिंगल टेबल क्लीयरेंस डे आयोजित करने के आदेश पूर्व में दिये थे।

इसके अनुपालन में आज दिनांक-3.06.2023 को प्राधिकरण भवन के मसऊद हॉल में ह्यसिंगल टेबल क्लीयरेंस डे का आयोजन किया गया। इस दौरान सभी विशेष कार्याधिकारी, सहायक लेखाधिकारी, अनुभाग अधिकारी, प्रवर वर्ग सहायक व अभियंता गण अपने अनुभाग की लंबित फाइलों के साथ दोपहर 12 बजे मीटिंग हॉल में उपस्थित हुए। इस मौके पर उपाध्यक्ष ने स्वयं लंबित प्रकरणों की समीक्षा की तथा कई फाइलों पर तुरंत निर्णय लेते हुए कार्यवाही सम्पादित करायी। इस मौके पर अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा व वित्त नियंत्रक दीपक सिंह भी उपस्थित रहे।

इन प्रकरणों का हुआ निस्तारण

अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा ने बताया कि ह्यसिंगल टेबल क्लीयरेंस डे पर प्रस्तुत की गयी सभी लंबित फाइलों पर शत प्रतिशत कार्यवाही करते हुए 262 फाइलों का निस्तारण किया गया। इसके अंतर्गत रजिस्ट्री के 25 आवेदनों, म्यूटेशन के 13, प्लानिंग के 16, अभियंत्रण के 103, शमन मानचित्र के 03, फ्री-होल्ड के 05, गणना के 52, नजूल एवं ट्रस्ट की 03, रिफंड की 35 व अधिष्ठान की 07 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया।

मोहान रोड योजना में सर्वे का कार्य शुरू, संयुक्त टीम ने किया पेड़ों का मूल्यांकन

लखनऊ विकास प्राधिकरण की मोहान रोड योजना में सर्वे का कार्य शुरू हो गया। शनिवार को प्राधिकरण के अभियंत्रण एवं अर्जन अनुभाग, वन विभाग व राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम-कलियाखेड़ा में सर्वे का कार्य किया गया।

प्राधिकरण के सहायक अभियंता राहुल वर्मा ने बताया कि बीते शुक्रवार को सचिव पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में गठित एडीएम-भूमि अर्जन, एसडीएम सरोजनी नगर, वन विभाग व लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की कमेटी द्वारा ग्राम-कलियाखेड़ा व प्यारेपुर के कास्तकारों के साथ वार्ता की गयी थी, जिसके बाद से सर्वे का कार्य शुरू करा दिया गया है। उन्होंने बताया कि शनिवार को दिन भर चली सर्वे की कार्यवाही के दौरान कलियाखेड़ा गांव के गाटा संख्या 640 व 561 में पेड़ों के मूल्यांकन का कार्य कराया गया। इसके अंतर्गत वन विभाग की टीम के सहयोग से पेड़ के तनों की नाप करने के साथ ही पेड़ों पर नम्बर अंकित कराये गये। यह कार्यवाही लगातार जारी रहेगी, जिसमें राजस्व विभाग की टीम के सहयोग से खसरा नंबरों की मार्किंग का कार्य भी किया जाएगा।

गौहाटी हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, कुश्ती महासंघ के चुनावों पर लगाई रोक

गौहाटी हाई कोर्ट ने रविवार को भारतीय कुश्ती महासंघ के चुनाव पर स्टे लगा दिया। बता दें कि भारतीय कुश्ती महासंघ के 11 जुलाई को चुनाव होने वाले थे। हालांकि अब इन चुनावों को लेकर हाई कोर्ट ने स्टे लगा दिया। असम कुश्ती संघ की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने डब्ल्यूएफआई के 11 जुलाई को होने वाले चुनावों पर रोक लगा दी।

गुवाहाटी। गौहाटी हाई कोर्ट ने रविवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के चुनाव पर स्टे लगा दिया। बता दें कि भारतीय कुश्ती महासंघ के 11 जुलाई को चुनाव होने वाले थे। हालांकि, अब इन चुनावों को लेकर हाई कोर्ट ने स्टे लगा दिया।

असम कुश्ती संघ ने डब्ल्यूएफआई, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की तदर्थ समिति और खेल मंत्रालय के खिलाफ दायर याचिका दायर की थी। इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने डब्ल्यूएफआई के 11 जुलाई को होने वाले चुनावों पर रोक लगा दी।

याचिका में क्या कुछ कहा गया?

याचिका में कहा गया कि असम कुश्ती संघ, डब्ल्यूएफआई का सदस्य होने का हकदार है, लेकिन गोंडा (उत्तर प्रदेश) में 15 नवंबर, 2014 को डब्ल्यूएफआई की जनरल काउंसिल को तत्कालीन कार्यकारी समिति द्वारा की गई सिफारिश के बावजूद अनुमति नहीं दी गई।

तदर्थ समिति ने मतदाता सूची के लिए नाम भेजने की अंतिम तिथि 25 जून तय की, जबकि नई संचालन संस्था के चयन के लिए चुनाव 11 जुलाई को होने हैं। ऐसे में याचिकाकर्ता ने डब्ल्यूएफआई से मान्यता नहीं मिलने तक चुनाव में रोक लगाने की मांग की थी।

कानपुर के जवान की लद्दाख में हादसे में मौत: राजकीय सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई

करण वाणी, न्यूज

कानपुर जनपद के महाराजपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत बौसर गांव निवासी सेना के वाहन चालक विनीत यादव का पार्थिव शरीर गांव पहुंचने से परिजनों में कोहराम मच गया। गुरुवार को दुर्घटना में विनीत यादव पुत्र रामेंद्र यादव (33) वर्ष शहीद हो गए थे शहीद जवान विनीत यादव का पार्थिव शरीर रविवार को जैसे ही उनके पैतृक गांव पहुंचा। पूरा माहौल गमगीन हो गया है।

हजारों की संख्या में लोगों ने तिरंगे के साथ शहीद की शव यात्रा निकाली और भारत माता की जय के नारे लगाए। इस मौके पर सेना के कई जवान भी मौजूद रहे। शहीद विनीत यादव का चेहरा आखिरी बार देखते ही उनकी पत्नी और मां बेसुध हो गईं। दोनों को रिश्तेदारों और आस पड़ोस के लोगों ने ढांढस बंधाया।

2008 में सेना में चालक के पद पर हुआ था चयन

नरवल तहसील के बौसर गांव निवासी रामेन्द्र कुमार यादव किसानी करते हैं। उनके दो बेटे विनीत यादव और सचिन यादव थे। विनीत सेना में वर्ष 2008 में चालक के पद पर भर्ती हुए थे और इन दिनों लद्दाख में तैनात थे। वहीं, सचिन भी सेना में जवान है और वर्तमान में पठानकोट में तैनात हैं। परिवार में विनीत की मां चंपा देवी, पत्नी कल्पना और डेढ़ साल का बेटा एकांत है।

गुरुवार को विनीत अपने एक अन्य साथी के साथ यूनिट की अन्य गाड़ियों के लिए तेल आपूर्ति लेकर जा रहे थे। रास्ते में उनकी गाड़ी अनियंत्रित हो गई और गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में विनीत की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके साथी के दोनों पैर कट गये। यूनिट के लोगों ने घायल जवान को अस्पताल में भर्ती कराया, जबकि विनीत की मौत की सूचना हेड क्वार्टर को दी।

राजकीय सम्मान के साथ जवान का हुआ अंतिम संस्कार

वहीं, रविवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार हुआ। शहीद के अंतिम यात्रा में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। वहीं शहीद जवान को बौसर गांव में राजकीय सम्मान के साथ सलामी देते हुए अंतिम विदाई दी गई। इस दौरान विनीत यादव अमर रहे के नारों से पूरा गांव गुंजायमान हो गया। वहीं कानपुर पुलिस के अधिकारी व क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों द्वारा भी पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसके बाद शव का अंतिम संस्कार किया गया।

डेयरी उद्योग से कमाएं लाखों, चार लाख तक का लोन

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ऑटोमेटिक मिल्क कलेक्शन सिस्टम मशीन खरीदने के लिए अधिकतम 1 लाख रुपए तक लोन देता है, इसके अलावा भवन निर्माण के लिए 2 लाख रुपए, दूध ढोने वाली गाड़ी खरीदने के लिए 3 लाख रुपए और दूध को ठंठा रखने के लिए चिलिंग मशीन लगाने के लिए 4 लाख रुपए तक का आसान लोन दे रहा है।

लखनऊ (करण वाणी, न्यूज)। खेती किसानी के अलावा ऐसे कई व्यापार हैं, जिनकी मदद से किसान अच्छी कमाई कर सकते हैं. भारत में कृषि से इतर जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा पशुपालन पर निर्भर है. ऐसे में पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए सरकार डेयरी उद्योग से जुड़ी कई सारी योजनाएं लॉन्च करती रहती है. इन योजनाओं का फायदा उठाते हुए किसान डेयरी का धंधा कर लाखों रुपये कमा सकते हैं. इसके लिए बैंक से आसानी से लोन भी मिल जाता है।

भारतीय स्टेट बैंक डेयरी फार्म के बिजनेस के लिए आसानी से लोन देता है. एसबीआई ने कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने और डेयरी फार्म के बिजनेस को बढ़ाने के लिए विभन्न श्रेणियों में लोन दे रहा है. बैंक दूध इक्कठा करने के लिए भवन निर्माण, ऑटोमेटिक मिल्क मशीन, मिल्क कलेक्शन सिस्टम, ट्रांसपोर्ट के लिए उपयुक्त गाड़ी खरीदने के लिए बिजनेस लोन दे रहा है. इसके लिए लोन पर ब्याज दर 10.85% से शुरू होती है, जो कि अधिकतम 24% तक जाती है।

बैंक ऑटोमेटिक मिल्क कलेक्शन सिस्टम मशीन खरीदने के लिए अधिकतम 1 लाख रुपए तक लोन देता है. इसके अलावा भवन निर्माण के लिए 2 लाख रुपए, दूध ढोने वाली गाड़ी खरीदने के लिए 3 लाख रुपए और दूध को ठंठा रखने के लिए चिलिंग मशीन लगाने के लिए 4 लाख रुपए तक का आसान लोन दे रहा है.

इस लोन को वापस करने की अवधि 6 महीने से लेकर 5 साल तक की तय की गई है. खास बात यह है कि इस लोन को प्राप्त करने के लिए कोई संपत्ति गिरवी नहीं रखनी होगी. इस लोन से जुड़ी अधिक जानकारी के लिए आप एसबीआई की आधिकारिक वेबसाइट पर भी जा सकते हैं।

डेयरी फार्म के लिए सरकार की तरफ से सब्सिडी भी मिलती है. सरकार ने डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए डेयरी उद्यमिता विकास योजना स्टार्ट किया है. ऐसे में इस योजना के माध्यम से आप सरकार से डेयरी उद्योग बढ़ावा देने के लिए 25 फीसदी का अनुदान हासिल कर सकते हैं. यदि आप आरक्षित कोटे से हैं और 33 फीसदी सब्सिडी लेना चाहते हैं तो आपको 10 पशुओं के साथ इस बिजनेस को शुरू करना होगा. इसके लिए एक प्रोजेक्ट फाइल तैयार करके नाबार्ड के कार्यालय में संपर्क करना होगा। डेयरी उद्योग की सबसे खास बात है कि दूध से लेकर गाय के गोबर तक सब कुछ मार्केट में बिकता है. किसान इसे बेच लाखों रुपये कमा सकता है. गोबर का सबसे ज्यादा उपयोग आर्गेनिक खाद बनाने में किया जाता है. इससे बनी खाद फसल के लिए फायदेमंग होती है. ऐसे में किसान इसका उपयोग अपने खेत में भी कर सकता है. वहीं दूध से भी कई तरह के उत्पाद बनाए जाते हैं. दूध से पनीर, दही, घी, छैना, खोया आदि बनता है, जो बाजार में महंगे दाम पर बिकता है।

शुरू करें झींगा पालन का व्यवसाय

भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में झींगा मछली का बड़े स्तर पर पालन किया जाता है, हालांकि पहले इसकी खेती के लिए समुद्र के खारे पानी की आवश्यकता होती थी, लेकिन हाल के कुछ सालों में कृषि क्षेत्र में तकनीकी विकास और रिसर्च के चलते मीठे पानी में भी इसका पालन सम्भव हो पाया है।

लखनऊ (करण वाणी, न्यूज)। भारत में पिछले कुछ सालों में मत्स्य पालन क्षेत्र में भारी बदलाव आया है. सरकार किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए इस क्षेत्र के लिए तमाम तरह की योजनाएं लॉन्च करती रही है. इसके अलावा कुछ राज्यों में मछली पालन के लिए सब्सिडी भी दी जाती है।

भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में भी झींगा मछली का बड़े स्तर पर उत्पादन किया जाता है. हालांकि, पहले इसकी खेती के लिए समुद्र के खारे पानी की आवश्यकता होती थी, लेकिन हाल के कुछ वर्षों में कृषि क्षेत्र में तकनीकी विकास और रिसर्च के चलते मीठे पानी में भी इसका पालन सम्भव हो पाया है।

झींगा पालन के लिए सबसे पहले तालाब के लिए सही जगह का चुनाव करना बेहद जरूरी है. जिस मिट्टी पर आप तालाब का निर्माण कर रहे हैं, ध्यान रखें की उसकी मिट्टी दोमट हो. साथ ही इस बात को जेहन में जरूर रखें की तालाब का पानी पूरी तरह से प्रदूषण मुक्त हो और मिट्टी काबोर्नेट, क्लोराइड, सल्फेट जैसे हानिकारक तत्वों से मुक्त हो. तालाब के पानी ढलमान बनाए रखने के लिए चूने का उपयोग करते रहें. इसके अलावा तालाब में पानी भरने और निकालने के लिए उचित व्यवस्था होनी चाहिए।

नर्सरी में लगभग 20 हजार बीज की जरूरत पड़ती है, इनके संचयन के लिए अप्रैल-जुलाई का महीना उपयुक्त रहता है. झींगा पालन करने के लिए सबसे पहले तालाब की नर्सरी तैयार की जाती है. लेकिन उससे पहले झींगा बीजों के संचयन की प्रकिया को पूरा करना बेहद जरूरी है. सबसे पहले झींगा बीज के सभी पैकेट में तालाब का पानी भरकर 15 मिनट तक रखना चाहिए, ताकि पैकेट के पानी औ? तालाब के पानी का तापमान एक हो जाए।

इसके बाद उन्हें संचयन के लिए लिए छोटे गड्ढे या जगहों पर छोड़ा जाता है. जब ये झींगें 3 से 4 ग्राम तक हो जाएं, तो इन्हें हाथों में लेकर बहुत सावधानी से मुख्य तालाब में डालना चाहिए।

तालाब में डाले गए लार्वा के लगभग 50 से 70 प्रतिशत झींगें ही जीवित रहते हैं, तकरीबन 5-6 महीने में इसका सही तरीके से विकास हो जाता है. ऐसी स्थिति में इन्हें तालाब से निकालना शुरू कर देना चाहिए. कृषि विशेषज्ञों का कहना है एक एकड़ जलीय क्षेत्रों में तकरीबन 2-3 लाख तक का मुनाफा आसानी से कमाया जा सकता है।

लेमनग्रास के पौधें से 12 महीने लगातार मुनाफा

लेमनग्रास की पत्तियों का उपयोग सबसे ज्यादा परफ्यूम, साबुन, निरमा, डिटर्जेंट, तेल, हेयर आयल, मच्छर लोशन, सिरदर्द की दवा व कास्मेटिक बनाने में भी प्रयोग बनाने में भी प्रयोग किया जाता है, ऐसे में इन प्रोडक्ट्स को बनाने वाली फैक्टरियों में इस पोधे के तेल की काफी मांग होती है।

लखनऊ (करण वाणी, न्यूज)। भारत में किसानों के आर्थिक हालात सुधारने और जीवनस्तर को बेहतर करने के लिए सरकार की तरफ से तमाम तरह के प्रयास किए जाते रहे हैं. इसी कड़ी में एरोमा मिशन के तहत सुगंठित पौधों की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है. इन्हीं में से एक प्रयोग है लेमनग्रास की खेती. इस पौधे की सबसे खास बात ये है कि इसे सूखाग्रस्त इलाकों में भी लगाया जा सकता है।

कमाएं बंपर मुनाफा

लेमनग्रास की पत्तियों का प्रयोग परफ्यूम, साबुन, निरमा, डिटर्जेंट, तेल, हेयर आयल, मच्छर लोशन, सिरदर्द की दवा व कास्मेटिक बनाने में किया जाता है, ऐसे में इन प्रोडक्ट्स को बनाने वाली

फैक्टरियों में इस पौधे के तेल की काफी मांग होती है. साथ ही एक अनुमान के मुताबिक, भारत हर वर्ष करीब 700 टन नींबू घास के तेल का उत्पादन करता है. इसके तेल को बाहर विदेशों में भी निर्यात किया जाता है. ऐसे में किसानों के पास इस पौधे की खेती कर लाखों का मुनाफा कमाने का अवसर है।

लेमनग्रास के पौधों की खासियत

लेमनग्रास के पौधे की खास बात ये है कि बंजर से बंजर जमीन पर उगाया जा सकता है. साथ ही इसकी खेती में लागत भी ज्यादा नहीं आती है, गोबर की खाद और लकड़ी की राख और 8-9 सिंचाई में ये पौधा तैयार होकर लहलहाने लगता है, एक बार इस इसके पौधों को लगाने के बाद आप 7 साल तक दोबारा बुआई से छुटकारा पा जाएंगे. हर तीन महीने के अंतराल पर किसान इस पौधे की पत्तियों की कटाई कर पूरे साल बढ़िया मुनाफा कमा सकते हैं।

लेमनग्रास पौधे इसकी खेती साल में किसी भी समय की जा सकती है, लेकिन अगर सबसे मुफीद महीने की बात करें तो फरवरी-मार्च या फिर जुलाई का महीना ज्यादा उपयुक्त मानते हैं. बंजर से बंजर जमीन पर इसकी खेती की जा सकती है. इस पौधे की खेती करते समय पौधे से पौधे के बीच दो-दो फीट की दूरी लेनी चाहिए ताकि पूरे फसल की विकास सही तरीके से हो सके।

साहित्य, करण वाणी

बड़े चालाक हो भैया

बचपन में की पिता से हर फरमाइश
अब समोसा भी चुपके से बीवी संग खा लिया
कसम से बड़े चालाक हो भैया।
प्रेमिका संग व्यस्त रहे खूब
पत्नी को काम में बिजी बताकर फोन काट दिया
कसम से बड़े चालाक हो भैया।
जब घर में बेटा जन्मा तो
कानी बिटिया होने का ढिंढोरा पीट दिया
कसम से बड़े चालाक हो भैया।
बेटे को महंगे निजी स्कूल भेजा
बिटिया का नाम सरकारी स्कूल में लिखा दिया
कसम से बड़े चालाक हो भैया।
बेटे की शादी में दिखाई अमीरी
बेटी की शादी के वक्त गरीबी की गाथा गाई
कसम से बड़े चालाक हो भैया।
दावत देने में दिखाई होशियारी
बंदूक-कार वालों के आगे गरीब को भुला दिया
कसम से बड़े चालाक हो भैया।
बेटी की शादी में सबको न्यौता
बेटे के तिलक में लिस्ट को ही आधी कर दिया
कसम से बड़े चालाक हो भैया।
दोस्त को जब पड़ी जरूरत
घर में रहकर रिश्तेदार को बीमार बता दिया
कसम से बड़े चालाक हो भैया।
अम्मा खातिर ढाई सौ की धोती
पत्नी के लिए ढाई हजार की साड़ी ले लिया
कसम से बड़े चालाक हो भैया।
ससुराल सढ़वान पर लगा ध्यान
ननिहाल ददिहाल को बिल्कुल भुला दिया
कसम से बड़े चालाक हो भैया।
आपदा में मानी भगवद कथा
बहुत दिन बाद सत्यनारायण कथा सुन लिया
कसम से बड़े चालाक हो भैया।

रचना,
नागेन्द्र बहादुर सिंह चौहान
स्वतंत्र पत्रकार

पिता प्रोड्यूसर, पूरा परिवार फिल्मी, फिर भी चंद फिल्में ही हिट करा पाये अर्जुन कपूर

अर्जुन कपूर के जन्मदिन के मौके पर बॉलीवुड सितारों ने सोशल मीडिया पर उन्हें विश किया है. साथ ही फैन्स ने भी उनकी लंबी उम्र की कामना की है. अर्जुन कपूर आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं. अर्जुन कपूर ने 2012 में आई फिल्म इश्कजादे से अपने करियर की शुरूआत की थी. इससे पहले अर्जुन कई फिल्मों में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर भी काम कर चुके हैं।

करण वाणी, न्यूज

मुंबई. बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं. अर्जुन को जन्मदिन के मौके पर बॉलीवुड सितारों ने बधाई दी है. अर्जुन कपूर फिल्मी परिवार से आते हैं और बॉलीवुड के मशहूर प्रोड्यूसर बोनी कपूर के बेटे हैं. अर्जुन के चाचा अनिल कपूर सुपरस्टार हैं और उनका पूरा परिवार फिल्मों से जुड़ा रहा है. फिल्मी परिवार से आने के बाद भी अर्जुन कपूर ज्यादा हिट फिल्में नहीं दे पाये हैं. अर्जुन ने साल 2012 में फिल्म इश्कजादे से अपने करियर की शुरूआत की थी.

पहली ही फिल्म से छा गए थे अर्जुन कपूर

इस फिल्म में अर्जुन परिणीति चोपड़ा के साथ नजर आए थे. डेब्यू फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी. हालांकि इसके बाद अर्जुन कपूर की अगली ही फिल्म औरंगजेब बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फेल हो गई थी. अर्जुन कपूर ने कई बॉलीवुड फिल्मों में काम किया है. लेकिन कुछ ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रही हैं. साल 2014 में आई फिल्म गुंडे में अर्जुन कपूर रणवीर सिंह के साथ नजर आए थे. ये फिल्म भी हिट रही थी. इसके बाद टू स्टेट्स में भी अर्जुन कपूर को काफी पसंद किया गया था. हालांकि अगली ही फिल्म 2015 में आई तेवर बुरी तरह फ्लॉप रही.

लंबे समय तक असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम करते रहे अर्जुन

ये फिल्म 2003 में आई तेलुगू फिल्म ओकाड्डू का हिंदी रीमेक थी. बॉलीवुड में एक्टिंग से पहले अर्जुन कपूर लंबे समय तक फिल्मों में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम करते रहे. साल 2003 में आई डायरेक्टर निखिल आडवाणी की फिल्म कल हो ना हो में भी अर्जुन कपूर ने बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया था. इसके बाद सलाम ऐ इश्क में भी अर्जुन कपूर असिस्टेंट डायरेक्टर थे.

अनिल कपूर, सलमान खान स्टारर फिल्म नो एंट्री में भी अर्जुन कपूर ने बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया था. सलमान खान स्टारर फिल्म वांटेड में भी अर्जुन कपूर ने डायरेक्शन टीम में काम सीखा. इसके बाद अर्जुन कपूर ने एक्टिंग की तरफ अपना करियर मोड़ा और 2012 में आई फिल्म इश्कजादे से करियर हिट रहा. अर्जुन कपूर के जन्मदिन के मौके पर फैन्स ने उन्हें सोशल मीडिया पर बधाई दी है. साथ ही बॉलीवुड सितारों ने भी अपने इंस्टाग्राम पर अर्जुन कपूर को जन्मदिन की बधाई दी हैं.

प्रभास की फिल्म 'आदिपुरुष' की कमाई में नौवें दिन उछाल!

करण वाणी, न्यूज

आदिपुरुष ने पहले कुछ दिनों में बढ़िया कमाई की. इसके बाद लगातार इसका ग्राफ गिरता ही रहा. 600 करोड़ का पैसा लगाकर बनी पिक्चर ने आठ दिनों में सिर्फ 263 करोड़ का डोमेस्टिक कलेक्शन किया. आठवें दिन फिल्म भारत में 3.40 करोड़ ही कमा सकी. लेकिन नौवें दिन इस कमाई में 50 प्रतिशत से ज्यादा का उछाल आया है।

इंडस्ट्री ट्रैकर रूंल्ल" के मुताबिक 'आदिपुरुष' ने नौवें दिन भारत से 5.25 करोड़ कमाए हैं. ये आंकड़ा आठवें दिन से 54 प्रतिशत ज्यादा है. आठवें दिन फिल्म ने देशभर में जितने पैसे कमाए थे, लगभग उतने पैसे नौवें दिन फिल्म के सिर्फ हिंदी वर्जन ने ही छाप लिए. शुक्रवार को कुल कमाई थी 3.40 करोड़, जबकि शनिवार को हिंदी ऑडियंस ने ही पिक्चर को 3.10 करोड़ कमाकर दिए हैं. इससे एक दिन पहले हिंदी पट्टी से फिल्म ने 2.15 करोड़ कमाए थे, जो कि शनिवार के आंकड़े से लगभग 100 प्रतिशत कम था. शनिवार को फिल्म के तेलुगु वर्जन ने भी शुक्रवार की तुलना में दोगुना पैसा छापा. फिल्म का कलेक्शन रहा 2.06 करोड़, जो कि पिछले दिन से लगभग 1 करोड़ ज्यादा है।

मेकर्स को उम्मीद थी कि फिल्म दूसरे सप्ताह से रफ्तार पकड़ेगी. पर ऐसा होता दिख नहीं रहा है. हालांकि शनिवार की कमाई में पिछले दिन की तुलना में जरूर बढ़ोतरी हुई है. दसवें दिन भी फिल्म के 6 करोड़ कमाने का अनुमान है. पर ये सिर्फ छुट्टी का असर हो सकता है. सोमवार को यही बढ़ोतरी यदि जारी रहती है, तब कुछ बात बने. फिर भी ये ऐसी बढ़ोतरी नहीं है कि फिल्म अपनी लागत वसूल सके. क्योंकि पहले नौ दिनों में फिल्म दुनिया भर से सिर्फ 369 करोड़ के आसपास ही कमा पाई है. जिस रफ्तार से कमाई हो रही है, 600 करोड़ इकट्ठे कर पाना फिल्म के लिए बहुत ज्यादा कठिन होगा. मेकर्स ने फिल्म के डायलॉग बदले. दो दिन के लिए टिकट सस्ते किए. लेकिन कुछ खास असर पड़ता दिख नहीं रहा है. इस सप्ताह 'आदिपुरुष' के सामने कोई दूसरी फिल्म भी नहीं थी. इसके बावजूद भी पिक्चर की कमाई बढ़िया नहीं रही है।

मानसून ने मचाई तबाही, फटा बादल, मंडी-कुल्लू-रामपुर में बाढ़, वाहन बहे

मंडी के सराज की तुंगधार और कुल्लू की मौहल खड्ड में बाढ़ से एक दर्जन वाहन बह गए और कई घर क्षतिग्रस्त हुए हैं।

करण वाणी, न्यूज

हिमाचल प्रदेश में मानसून दस्तक देते ही तबाही मचाने लगा है। कई जगह बारिश आफत लेकर आई। कुल्लू-मंडी-रामपुर में बाढ़ से कई जगह जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। हमीरपुर में सुजानपुर के खैरी में रविवार को बादल फटने से पांच घरों में मलबा घुस गया। तहसीलदार सुजानपुर अशोक पठानिया ने बताया कि छह लोगों को रेस्क्यू किया गया है। कांगड़ा के नगरोटा बगवां के उपरली मझेटली में बिजली गिरने से मां और डेढ़ साल का बच्चा झुलस गए।

उन्हें नगरोटा अस्पताल में भर्ती किया गया है। मंडी के सराज की तुंगधार और कुल्लू की मौहल खड्ड में बाढ़ से एक दर्जन वाहन बह गए और कई घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। मंडी के शिकारी देवी में शनिवार रात 200 लोग फंस गए, जिन्हें छह घंटे बाद निकाला गया। प्रदेशभर में 85 सड़कें बंद हो गईं हैं। 55 बिजली के ट्रांसफार्मरों को नुकसान पहुंचा है। उधर, कालका-शिमला रेलवे ट्रैक पर जगह-जगह पहाड़ियों से पत्थर, मलबा और पेड़ गिरने से दूसरे दिन भी सभी ट्रेनें रद्द हो गईं।

सिर्फ टॉय ट्रेन ही शिमला पहुंच पाई। प्रदेश में मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने सोमवार को ऑरेंज और मंगलवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। भारी बारिश के चलते सोलन की मांगल पंचायत में 22 बकरियां एक नाले में बह गईं, जिनमें से छह की मौत हो गई। रविवार को मनाली, लाहौल, रोहतांग, शिंकुला और बारालाचा दर्रे की ऊंची चोटियों पर बर्फ के फाहे गिरे। प्रदेश के कई इलाकों में बिना बिजली-पानी के दुश्वारियां बढ़ गई हैं।

कुल्लू की मौहल खड्ड में बाढ़ से आठ वाहन बह गए। आधी रात को कई लोगों को अपने वाहन निकालने पड़े। सराज के तुंगधार नाले में भी बाढ़ से चार गाड़ियां बह गईं, आधा दर्जन घरों को नुकसान पहुंचा। नरोली गांव के निकट एक दर्जन गांव बाढ़ की चपेट में आ गए। आधी रात को लोगों में अफरातफरी मच गई। बिलासपुर के बरठीं बाजार में घरों और दुकानों में पानी घुस गया।

जोगिंद्रनगर में पीपली-बढोण सड़क पर समखेतर नाले में बाढ़ से बहा पुल और सड़क। - फोटो : संवाद

बरशैणी में बारिश के चलते एक मकान को क्षति पहुंची। बंजार के 10 गांवों

में बिजली आपूर्ति बाधित हुई। जोगिंद्रनगर के पीपली-बढोण सड़क पर शनिवार रात समखेतर नाले में बाढ़ से पुल बह गया, जिससे कई गांवों का संपर्क टूट गया। बगस्याड़ में पहाड़ धंसने से एक मकान और दो गाड़ियां मलबे में दब गईं। जोगिंद्रनगर में सड़क पर पेड़ गिरने से मंडी-पठानकोट नेशनल हाईवे भी कुछ समय बाधित रहा। बल्ह घाटी में टमाटर की फसल तबाह हो गई।

सुकेती खड्ड के किनारों से कई प्रवासियों की झोपड़ियां खाली करवाई गईं। हमीरपुर में धौलासिद्ध परियोजना के कार्य में लगे एक ठेकेदार की छह मशीनें पानी के बहाव में बह गईं। सोलन के धर्मपुर के सिहारड़ी में चार लोगों के घर में भारी बारिश के चलते पानी घुस गया। फोरलेन पर पानी की निकासी सही न होने से लोग नाराज हैं। कालका-शिमला नेशनल हाईवे पांच पर भी परवाणू से कुमारहट्टी के बीच कई जगह पत्थर और मलबा सड़क पर आने से यातायात वनवे रहा। दाड़लाघाट, कुनिहार, सुबाथू समेत अन्य जगह पेड़ गिरने से रास्ते बंद हुए। सिरमौर में भी बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है।

नाहन-कुमारहट्टी और पांवटा-शिलाई नेशनल हाईवे भी कुछ समय के लिए बंद रहा। शिलाई के गंगटोली में खड़ी गाड़ी पर पत्थर गिरे। सतौन और पुरुवाला में खड्ड का पानी दुकानों में घुस गया। जलस्तर बढ़ने से गिरि नदी पर बने जटोन डैम का एक गेट खोलना पड़ा। रामपुर के अंतर्गत 15/20 क्षेत्र की सरपारा पंचायत में रातभर भारी बारिश के बाद सुग्गा नाले में बाढ़ आ गई। इससे लोगों की खेती योग्य कई बीघा जमीन बह गई है, वहीं एक गोशाला के साथ ही ग्रीनको परियोजना की लाइन क्षतिग्रस्त हो गई।

लोक निर्माण विभाग के स्टाफ की रविवार की छुट्टी रही रद्द

हिमाचल में दो दिन से हो रही मूसलाधार बारिश के चलते लोक निर्माण विभाग ने फील्ड में तैनात स्टाफ की रविवार की छुट्टी रद्द रही। उन्हें बंद पड़ीं सड़कों को बहाल करने की जिम्मेदारी दी है।

मणिपुरः सुरक्षाबलों ने 24 घंटे में 12 बंकर ध्वस्त किए, 8 जिलों में सर्च ऑपरेशन

मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदाय के बीच आरक्षण को लेकर पिछले 53 दिनों से हिंसा जारी है। सुरक्षाबलों और पुलिस ने रविवार को राज्य के 7 जिलों में सर्च ऑपरेशन चलाया।

मणिपुर पुलिस और सुरक्षाबलों ने इन जिलों में पिछले 24 घंटों में हिंसा फैलाने वाले लोगों के 12 बंकर नष्ट किए हैं। पुलिस ने इन्हें उग्रवादी बताया है।

सुरक्षाबलों ने तामेंगलोंग, इंफाल ईस्ट, बिष्णुपुर, कांगपोकपी, चुराचांदपुर और काकचिंग जिलों में जॉइंट ऑपरेशन चलाया और हिल और वैली दोनों जगह इन बंकरों को नष्ट कर दिया।

मणिपुर हिंसा पर 24 जून को हुई सर्वदलीय बैठक में गृह मंत्रालय ने जानकारी दी कि हिंसा में अब तक 131 लोगों की मौत हो चुकी है और 419 लोग घायल हुए हैं।

आगजनी की 5 हजार से ज्यादा घटनाएं हुई हैं। लगभग 6 हजार मामले दर्ज हुए हैं और 144 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। राज्य में 36 हजार सुरक्षाकर्मी और 40 कंपनी तैनात किए गए हैं।

भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद

पुलिस ने बताया कि सर्च ऑपरेशन के दौरान तीन 51 मिमी मोर्टार और 84 मिमी मोर्टार गोले साहुमफाई गांव के खेत में पाए गए।

कांववई और एस कोटलियान गांव के बीच के एक खेत में एक एके-47 भी मिला। इन्हें नष्ट कर दिया गया है।

पुलिस ने बताया कि पिछले दो महीनों में 1100 हथियार, 13,702 गोला-बारूद और 250 बम को राज्य के अलग-अलग इलाकों से जब्त किया गया है।

मणिपुर हिंसा से जुड़े अपडेट्स

पुलिस ने बताया कि राज्य के ज्यादातर इलाकों में छुटपुट घटनाओं को छोड़ दें तो हालात सामान्य हैं।

राज्य में रविवार देर रात को 30 जून तक इंटरनेट पर प्रतिबंध बढ़ा दिया है।

मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने रविवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की।

गृहमंत्री ने आश्वासन दिया है कि केंद्र सरकार मणिपुर में सामान्य स्थिति लाने के लिए हर संभव कदम उठाएगी।

मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री सिंह ने दावा किया कि 13 जून के बाद से हिंसा में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। सुरक्षा बलों की कार्रवाई में बाधा डाल रहा है भीड़तंत्र

राज्य के छह जिलों बिष्णुपुर, इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, उखरुल, चूराचांदपुर और कंगपोक्पी में सेना और पुलिस की कार्रवाई में यहां का भीड़तंत्र बाधा डाल रहा है।

मैतेई और कुकी समुदाय के लोग

अपने-अपने क्षेत्रों में किसी भी गिरफ्तारी और तलाशी का भीड़ के रूप में विरोध करने लगते हैं। कई गांवों में तो सुरक्षा एजेंसियां घुस भी नहीं पाती हैं।

4 पॉइंट्स में जानिए क्या है मणिपुर हिंसा की वजह...

मणिपुर की आबादी करीब 38 लाख है। यहां तीन प्रमुख समुदाय हैं- मैतेई, नगा और कुकी। मैतई ज्यादातर हिंदू हैं। नगा-कुकी ईसाई धर्म को मानते हैं। रळ वर्ग में आते हैं। इनकी आबादी करीब 50% है। राज्य के करीब 10% इलाके में फैली इम्फाल घाटी मैतेई समुदाय बहुल ही है। नगा-कुकी की आबादी करीब 34 प्रतिशत है। ये लोग राज्य के करीब 90% इलाके में रहते हैं।

कैसे शुरू हुआ विवादः मैतेई समुदाय की मांग है कि उन्हें भी जनजाति का दर्जा दिया जाए। समुदाय ने इसके लिए मणिपुर हाई कोर्ट में याचिका लगाई। समुदाय की दलील थी कि 1949 में मणिपुर का भारत में विलय हुआ था। उससे पहले उन्हें जनजाति का ही दर्जा मिला हुआ था। इसके बाद हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से सिफारिश की कि मैतेई को अनुसूचित जनजाति (रळ) में शामिल किया जाए।

मैतेई का तर्क क्या है: मैतेई जनजाति वाले मानते हैं कि सालों पहले उनके राजाओं ने म्यांमार से कुकी को युद्ध लड़ने के लिए बुलाया था। उसके बाद ये स्थायी निवासी हो गए। इन लोगों ने रोजगार के लिए जंगल काटे और अफीम की खेती करने लगे। इससे मणिपुर ड्रग तस्करी का ट्राएंगल बन गया है। यह सब खुलेआम हो रहा है। इन्होंने नागा लोगों से लड़ने के लिए आर्म्स ग्रुप बनाया।

बराक ओबामा के आरोपों पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दिया जवाब

6 मुस्लिम देशों पर 26 हजार बम बरसाने वाले अब हमें...

निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत सरकार सबका साथ, सबका विकास पर भरोसा करती है।

करण वाणी, न्यूज

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि हम अमेरिका से अच्छे संबंध चाहते हैं, लेकिन जब वहां से भारत की धार्मिक सहिष्णुता पर टिप्पणियां आती हैं, तो उनके आरोपों पर लोग कैसे भरोसा करेंगे; जब उनके अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा शासन काल में 6 मुस्लिम बहुल देशों सीरिया से लेकर यमन तक... 26 हजार से अधिक बम गिराए गए... लोग उनके (ओबामा के) आरोपों पर कैसे भरोसा करेंगे।

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका और मिस्त्र की यात्रा दौरे को भारत के लिए सम्मान की बात बताया और अपने फायदे के लिए ह्यगैरवाजिब मुद्दे उठाने को लेकर विपक्षी दलों की आलोचना की. वहीं भारत में मुसलमानों के साथ व्यवहार को लेकर पूछे गए सवाल पर निर्मला सीतारमण ने साफ किया कि पीएम मोदी की सरकार ह्यसबका साथ सबका विकास सिद्धांत पर काम करती है और किसी विशेष समुदाय के साथ भेदभाव नहीं करती है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ लोग केवल उन मुद्दों को उजागर करने के लिए बहस में शामिल होते हैं जो एक तरह से गैर-मुद्दा हैं. सीतारमण ने कहा कि बिना किसी जानकारी के केवल आरोप लगाना; यह साफ करता है कि यह सब संगठित अभियान का हिस्सा है. उन्होंने कहा कि

विपक्षी दल चुनावी मैदान में बीजेपी से मुकाबला नहीं कर सकते, इसलिए वे ऐसा अभियान चला रहे हैं, उन्होंने कहा, कांग्रेस इसमें विशेष भूमिका निभा रही है।

बराक ओबामा के इंटरव्यू पर बोलीं सीतारमण

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के बयान को लेकर भी निशाना साधा. इस इंटरव्यू में ओबामा ने भारतीय मुसलमानों पर टिप्पणी की थी. उन्होंने कहा कि उनके शासन में 6 मुस्लिम बहुल देशों पर 26,000 से अधिक बम बरसाए गए थे।

उन्होंने कहा, मैं सावधानी से बोल रही हूं, हम अमेरिका के साथ अच्छी दोस्ती चाहते हैं. लेकिन जब वहां से भारत की धार्मिक सहिष्णुता पर टिप्पणियां आती हैं. शायद उनकी वजह से 6 मुस्लिम बहुल देशों पर बमबारी हुई सीरिया से लेकर यमन तक 26 हजार से अधिक बम गिराए गए लोग उनके (ओबामा के) आरोपों पर कैसे भरोसा करेंगे।

रूस ने सीरिया पर हवाई हमला किया, 9 की मौत, मरने वालों में 2 बच्चे भी, सीरिया ने कहा- यह नरसंहार जैसा

करण वाणी, न्यूज

रूस ने रविवार को उत्तर पश्चिमी सीरिया के विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाकों पर हवाई हमला किया। इसमें दो बच्चों समेत 9 लोगों की मौत हो गई। न्यूज एजेंसी अन्नह के मुताबिक, हमला इदलिब प्रांत के जिस्त्र अल-शुघुर शहर के मार्केट और जबल अल जाविया इलाके में हुआ।

सीरिया ने इस हमले को नरसंहार के बराबर बताया है। वहीं, जिस्त्र अल-शुघुर शहर के घटनास्थल पर मौजूद 35 साल के मजदूर साद फातो ने बताया कि हमले के दौरान उन्होंने लोगों की जान बचाने में मदद की।

उन्होंने कहा- रूसियों ने हम लोगों पर गोले बरसाए। हमले के वक्त मैं बाजार में गाड़ी से टमाटर और खीरे उतार रहा था। हमले की बाद की तस्वीर को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। लोगों की मदद करने की वजह से मेरे हाथों में अभी तक खून लगा है।

रिपोर्टर ने घटनास्थल से काले धुएं का गुबार उठता देखा। कुछ ही देर में एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल ले जाने का काम शुरू हुआ।

साल का सबसे घातक हमला

ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के चीफ रामी अब्देल रहमान ने कहा कि ये इस साल सीरिया में रूस का सबसे घातक हमला है, जो नरसंहार के बराबर है। उन्होंने बताया कि पिछले हफ्ते भी रूस की ओर से किए गए एक ड्रोन हमले में दो बच्चों सहित चार लोगों की मौत हो गई थी।

सीरियाई रक्षा मंत्रालय ने रविवार शाम एक बयान जारी किया। मंत्रालय ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में हमा और लताकिया प्रांत में कई लोग मारे गए हैं।

रूस ने 23 जून के हमले का बदला लिया

दरअसल, 23 जून को करदाहा शहर पर विद्रोहियों ने हमला कर दिया था। ये शहर रूस के हमीमिम एयर बेस के पास है और सीरियाई प्रेसिडेंट बशर-अल-असद का पैतृक शहर है। रूस सीरियाई प्रेसिडेंट का सपोर्ट करता है। माना जा रहा है कि 23 जून को हुए हमला का जवाब देते हुए रूस ने इदलिब प्रांत के शहरों पर हमला किया है।

सीरिया गृह युद्ध में रूस और तुर्किये की अहम भूमिका रही है। इस पूरे मामले को समझिए...

सीरिया में पिछले 12 सालों के गृह युद्ध चल रहा है। 2011 में जब अरब क्रांति की चिंगारी सीरिया तक पहुंची, तो वहां लोगों ने बशर-अल-असद की तानाशाही के खिलाफ आवाज बुलंद करना शुरू कर दिया था। विद्रोहियों ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिए थे। हिंसा बढ़ने लगी थी। इसके बाद 2015 में रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल असद की मदद के लिए उनके विद्रोही गुटों के खिलाफ रूसी सेना को भेजा था।

2016 में सीरिया गृह युद्ध में तुर्किये की डायरेक्ट एंट्री हुई। दरअसल, गृह युद्ध की शुरुआत से ही तुर्किये, सीरिया सरकार की निंदा कर रहा था। लेकिन 2016 में सीरिया के

विद्रोहियों का सपोर्ट करते हुए तुर्किये ने अपनी सेना को सीरिया भेज दिया। 5 साल पहले रूस और तुर्किये ने मध्यस्थता करते हुए इदलिब शहर के आस-पास वाले इलाके को बफर जोन बना दिया।

हाल ही में जिन शहरों पर रूस ने हमला किया उन्हें रूस ने ही विद्रोहियों के कब्जे से छीना था। यहां से विस्थापित हुए करीब 40 लाख लोगों की वापसी भी रूस ने ही करवाई थी। लेकिन यहां तुर्किये सेना की मौजूद के चलते विद्रोही अपना सिर उठाते रहते हैं। सीरिया और रूस दोनों ही विद्रोहियों को दबाना चाहते हैं। इसके लिए सीरिया ने इन शहरों में मौजूद तुर्किये आर्मी की वापसी की मांग की थी। इसको लेकर सीरिया ने रूस की मदद से तुर्किये सरकार से बातचीत की थी। हालांकि तुर्किये नहीं माना जिस वजह से विवाद बढ़ता जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एंव पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- पंकज सिंह मो- 9415067370 E-mail:-karnvaninews@gmail.com website:- www.karnvaninews.com RNI-UPHIN/2016/74800